चित्र और बातचीत

परिवार

शिक्षण-संकेत – बच्चों को पोस्टर देखने के लिए पर्याप्त समय दें। पोस्टर में दिखाए गए घर-परिवार एवं कार्यों के विषय में बातचीत करें। बातचीत के बिंदु इस प्रकार हो सकते हैं –
1. इस घर में कौन-कौन हैं? 2. वे क्या-क्या काम कर रहे हैं? 3. बच्चे रंगोली क्यों बना रहे होंगे? 4. क्या हथेली पर लट्टू चलाने पर गुदगुदी होती है? 5. आपको इस पोस्टर में सबसे अच्छी बात क्या लगी और क्यों? यह सुनिश्चित करें कि कक्षा के सभी बच्चों को अपने घर-परिवार के विषय में अपनी भाषा में कहने की स्वतंत्रता एवं अवसर मिलें।

1

सुनें कहानी

मीना का परिवार

मीना के परिवार में सात लोग हैं— उसके दादा, दादी, माता, पिता, चाचा, मीना और उसका छोटा भाई दिवाकर। दिवाकर तीन साल का है। वह बहुत नटखट और चुलबुला है।

मीना को अपने भाई के साथ खेलने में बहुत आनंद आता है। दिवाकर भागकर कमरे के किवाड़ के पीछे छिप जाता है। मीना उसे ढूँढ़ लेती है तो वह ज़ोर-ज़ोर से हँसता है।

Reprint 2025-26

एक दो तीन चार

मीना उसे गिनती सिखाती है। दिवाकर कहता है, “एक, दो, तीन, चार” तो मीना कहती है, “चाचाजी हमको करते प्यार।”

तभी चाचाजी आ जाते हैं और दिवाकर को गोद में उठा लेते हैं।

मीना, चाचाजी और दिवाकर बरामदे में जाते हैं जहाँ दादी और माँ फल काट रही हैं। मीना के पिता और दादाजी गमलों में पानी दे रहे हैं।

© NCERT not to be republished

Reprint 2025-26

थोड़ी देर में माँ सबको फल देती हैं। सब लोग मिल-जुल कर खुशी से फल खाते हैं और आपस में बातें करते जाते हैं। कितना प्यार भरा है मीना का परिवार!

– मालती देवी

शिक्षण-संकेत – बच्चों के साथ उनके परिवार के विषय में बातचीत करें। परिवार में कौन-कौन हैं और वे घर में क्या-क्या काम करते हैं? आप घर में कौन-कौन से खेल खेलते हैं? आप घर के किन कामों को करने में सहायता करते हैं? आदि।

Reprint 2025-26

बातचीत के लिए

1. इस कहानी में कौन-कौन है?
2. मीना के भाई का नाम क्या है?
3. आप अपने घर में कहाँ-कहाँ छिप सकते हैं?
4. "एक, दो, तीन, चार
   चाचाजी हमको करते प्यार।"
   चाचा की जगह दादा, नाना, नानी और अपने परिवार के अन्य लोगों के लिए इन पंक्तियों को गाइए।

शब्दों का खेल

1. **इस कहानी में दिवाकर, दादाजी और दादीजी हैं। आँखें बंद करके इन शब्दों को बोलिए। इनकी पहली ध्वनि बताइए।**
2. **'द' से शुरू होने वाले कुछ और शब्द बताइए।**
3. **नीचे दिए हुए शब्दों को लिखिए –**

   दादा   दादी

4. **इस कहानी में 'दादा' और 'दादी' शब्दों को पहचानकर उन पर घेरा लगाइए।**

शिक्षण-संकेत – बच्चे 'दी, 'दे', 'दो' आदि से शुरू होने वाले या अपनी भाषा के शब्द भी बता सकते हैं। उन्हें स्वीकार करें और बोर्ड पर लिखें। फिर बच्चों को अनुमान से पढ़ने के अवसर दें। शब्दों की ओर संकेत करते हुए आप पूछ सकते हैं— किसने कौन-सा शब्द दिया था? 'दिवाकर', 'दादाजी', 'दरवाज़ा', 'अदरक', 'चाँद', 'दस', 'गेंद' आदि शब्दों की सहायता से 'द' ध्वनि और उसकी आकृति की पहचान करवाएँ।

© NCERT not to be republished

Reprint 2025-26

5. **यह कहानी मीना के परिवार के बारे में है। नीचे 'मीना' शब्द लिखने का प्रयास कीजिए –**

मीना मीना मीना

6. **नीचे दिए गए शब्दों को पढ़ने और लिखने का प्रयास कीजिए –**

नाना, नानी, मामा, मामी, दादा, दादी, दीदी, माँ

नाना नानी मामा मामी

दादा दादी दीदी माँ

7. **नीचे दिए गए चित्रों के नाम बताइए और पढ़िए –**

नीम

नदी

दाने

शिक्षण-संकेत – पृष्ठ 4 पर दिए गए चित्र में मीना के परिवार के सदस्यों की पहचान करवाएँ। नाना, नानी, दादा, दादी, मामी आदि रिश्तों के विषय में पूछें। 'मीना' शब्द के आधार पर 'म' और 'न' की ध्वनि एवं आकृति की पहचान करवाएँ। माला, मकान, नल आदि शब्दों की सहायता भी ली जा सकती है। बच्चों से 'द', 'म', 'न' की ध्वनियों वाले शब्द बताने के लिए कहें। बच्चों की मातृभाषा के शब्दों को भी स्वीकार करें।

© NCERT not to be republished

Reprint 2025-26

खेल गीत

चंदा मामा दूर के

चंदा मामा दूर के,
पुए पकाएँ बूर के;
आप खाएँ थाली में,
मुन्ने को दें प्याली में।
प्याली गई टूट,
मुन्ना गया रूठ।
लाएँगे नई प्यालियाँ,
बजा-बजा के तालियाँ,
मुन्ने को मनाएँगे,
हम दूध-मलाई खाएँगे।

साभार – एकलव्य

पहेली

दो बच्चे अपने स्कूल का रास्ता भूल गए हैं। स्कूल तक पहुँचने में उनकी सहायता कीजिए –

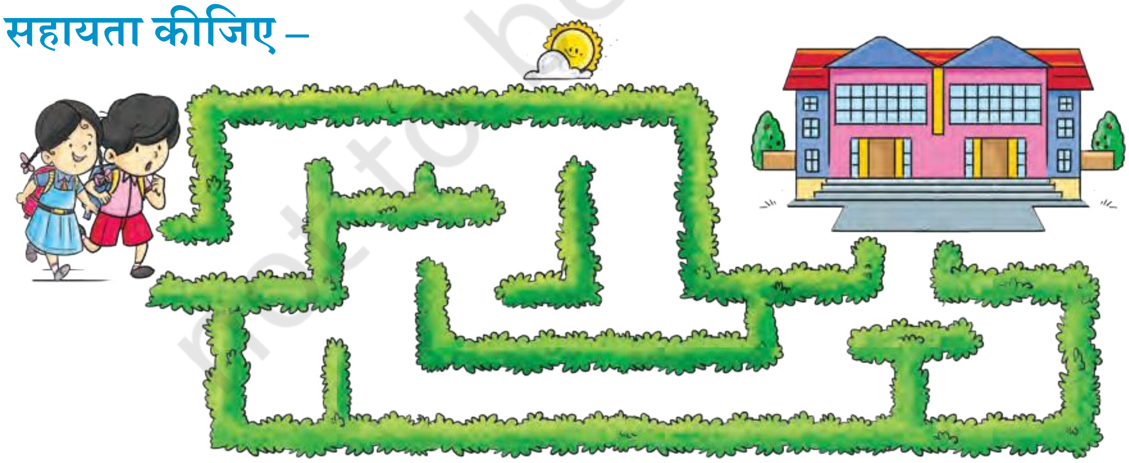

शिक्षण-संकेत – गोलाकार समूह में एक-दूसरे की हथेली पर ताली बजाते हुए ये खेल गीत बच्चों के साथ गाइए।

© NCERT not to be republished

Reprint 2025-26